



# मछली उत्पादन बढ़ाए जाने और आजीविका विकल्प के लिए पिंजरा मछली पालन



## सी एम एफ आर आइ में कोबिया और पोम्पानो परममछली प्रजनन में सफलता



### एच डी पी ई से निर्मित पिंजरा

निर्माण: हाइ डेन्सिटी पोलि एथिलीन (एच डी पी ई) , विस्तार: 6 मीटर का व्यास, 120 से.मी. की ऊँचाई, 6 मी. की गहराई

पिंजरे में पालन योग्य चुनी गयी मछली जाति: समुद्री बास, रेड स्नापर, चैनोस, मल्लेट, कोबिया, पोम्पानो, श्रुपर, कोथ, पॉम्फ्रेट, महाचिंगट आदि

समुद्री मछलियों के आकार और गुणता का अनुकूल स्तर पर अनुरक्षण मानव हस्तक्षेप के बिना पर्यावरण अनुकूल व्यवस्था

अतिजीवितता दर 75% से अधिक

एच डी पी ई से निर्मित पिंजरा

### सी एम एफ आर आइ की उपलब्धियाँ

सी एम एफ आर आइ द्वारा वर्ष 2007 में विशाखपट्टणम, आंध्रा प्रदेश में प्रारंभ किया गया खुला सागर पिंजरा मछली पालन - पिंजरे से एशियन समुद्री बास मछली लैटस कैलकारिफर का सफलतापूर्वक संग्रहण किए जाने से देश में, समुद्र में मछली पालन के नए युग की शुरुआत।

वेरावल (गुजरात), मुम्बई (महाराष्ट्र), चेन्नई (तमिल नाडु) और विषिजम (केरल) में वर्ष 2009 से लेकर शूली महाचिंगट का सफलतापूर्वक पालन।

सी एम एफ आर आइ गुजरात के वेरावल में, ट्राइबल सब प्लान (टी एस पी)के अंदर जुनगढ़ जिले के आदिम 'सिदी' जनजाति लोगों को सम्मिलित कराते हुए खुला सागर पिंजरा खेत में शूली महाचिंगट (पानुलिरस पोलीफागस) के पालन का निदर्शन किया।

खुला सागर जलकृषि के लिए अलग करके पुनःसमायोजन करने लायक उचित प्रकार के पिंजरों का विकास किया गया।

देश के विभिन्न भागों के खुले सागर और पश्च जल क्षेत्रों में कोबिया, पोम्पानो, समुद्री बास, मल्लेट, पेल स्पॉट, रेड स्नाप्पर मछलियों का सफलतापूर्वक पालन और महाचिंगट और चिंगटों का सफलतापूर्वक पालन निदर्शन किया गया।

प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए सहभागिता आधार पर पिंजरा मछली पालन तरीके का विकास किया गया।

### लागत अनुकूल खुला सागर पिंजरा

6 मी. का व्यास, 120 से.मी. की ऊँचाई, 6 मी. की गहराई, 700 कि.ग्रा. का कुल भार

निर्माण: अच्छी गुणता का 1.5" का जी आइ पाइप (बी क्लास) अधिक मजबूती के लिए डबल वेल्डिंग किया हुआ, जंग से बचाने के लिए एपोक्सी प्राइमर का सिंगल कोट पेइन्टिंग और एपोक्सी ग्रे पेइन्ट से डबल कोट पेइन्टिंग

मध्य भाग में परभक्षी मछलियों का प्रवेश रोकने के लिए पानी के स्तर से 60 से.मी. की ऊँचाई में बाहरी जाल

जाल और लंगर सहित एक लाख रुपए का कम लागत पिंजरा। एकल मछली पालन से निवेश लागत की वसुली



लागत अनुकूल खुला सागर पिंजरा



कोबिया मछली के उंगलिमीन

पोम्पानो मछली के उंगलिमीन

मंडपम में कोबिया मछली (रायिसेन्ट्रोन कनाडम) के अंडशावक विकास, प्रेरित प्रजनन और रिभक उत्पादन में महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की गयी।

सिल्वर पोम्पानो तेज बढ़ती दर और उच्च बाजार मांग होने वाली उच्च मूल्य की समुद्री उष्णकटिबंधीय परममछली है, जिसकी घरेलू एवं निर्यात बाजार में विपणन की बड़ी शक्यता है। सी एम एफ आर आइ ने इस मछली के अंडशावक विकास, प्रेरित प्रजनन और रिभक उत्पादन में पहली बार सफलता प्राप्त की है, जो मछली संतति उत्पादन प्रौद्योगिकी में मील का पत्थर है।

मछली का पालन तालावों, टैंकों और प्लवमान समुद्री पिंजरों में किया जा सकता है और लगभग 10 पी पी टी तक की कम लवणता में इस मछली का अनुकूल करके पालन किया जा सकता है। इसलिए कम लवणता के विस्तृत जल क्षेत्रों और पश्च जल क्षेत्रों में इस मछली का पालन किया जा सकता है।

तैयारी : विपिनकुमार वी. पी, अश्वती एन, बोबी इग्नेष्यस, गोपकुमार जी, उमा ई. के, शालिनि के. पी, पुष्करन के. एन और अभिलाष पी. आर (2014)